भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2820

जिसका उत्तर 12 दिसम्बर, 2024 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़ने के कारण विस्थापन

2820. श्री पी. वी. मिधुन रेड्डीः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नदियों को आपस में जोड़ने के कार्य को आगे बढ़ाने में सरकार द्वारा क्या प्रगति की गई है;

(ख) क्या सरकार ने ऐसी परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान होने वाले विस्थापन के स्तर का अनुमान लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने विस्थापित हो रहे ऐसे व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए कोई व्यापक योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): भारत सरकार ने वर्ष 1980 में एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की और राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को एनपीपी के तहत नदियों को जोड़ने (आईएलआर) का काम सौंपा गया। एनपीपी के तहत 30 आईएलआर परियोजनाओं की पहचान की गई है, प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 लिंक परियोजनाएं और हिमालयी घटक के तहत 14 लिंक परियोजनाएं हैं। भारत सरकार ने आईएलआर कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इन 30 आईएलआर परियोजनाओं में से 11 लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), 26 लिंक परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और सभी 30 लिंक परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) पूरी हो चुकी हैं। पांच परियोजनाओं को "प्राथमिकता लिंक परियोजनाओं" के रूप में चिन्हित किया गया है, अर्थात केन-बेतवा लिंक परियोजना, गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना (जिसमें 3 लिंक शामिल हैं) और संशोधित पार्वती-

कालीसिंध-चंबल (एमपीकेसी) लिंक परियोजना। केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) पहली आईएलआर परियोजना है, जो कार्यान्वयन के अधीन है। एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ख) से (घ): आईएलआर परियोजनाएं विशाल जल अंतरण परियोजनाएं हैं और अन्य जल संसाधन परियोजनाओं की तरह, इन परियोजनाओं में भी परियोजना प्रभावित लोगों के विस्थापन और उनके पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) से संबंधित मुद्दे हैं। ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए, संबंधित लिंक परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करने के दौरान सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों के साथ-साथ लिंक परियोजनाओं में शामिल विस्थापनों पर विस्तृत अध्ययन किया जाता है। डीपीआर में सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना का विवरण दिया गया है, जिसमें जलमग्न क्षेत्र, परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएएफ) की संख्या, आवश्यक भूमि अधिग्रहण, लागत, तथा भूमि मुआवजे और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन का विवरण शामिल है। परियोजना प्रभावित परिवारों का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन तथा आईएलआर परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य संबंधित राज्य सरकारों द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम, 2013 में निहित प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए, भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए एक निगरानी समिति गठित की गई है, जो परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन एवं निगरानी की देखरेख करेगी।

*****

अनुलग्नक

"नदियों को आपस में जोड़ने के कारण विस्थापन" के संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2024 को दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2820 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

एनपीपी के तहत आईएलआर परियोजनाओं का विवरण और स्थिति

प्रायद्वीपीय घटक

क्रम सं.	**नाम**	**लाभान्वित राज्य**	**स्थिति**
1	क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा	एफआर पूरा हो गया है
	ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूरा हो गया है
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक **	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरा हो गया है
3	क.गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूरा हो गया है
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलीचिंतला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है
5	क.कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरा हो गया है
	ख.वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
7	कृष्णा (अलमाटी) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	ड्राफ्ट डीपीआर पूरा हो गया है
8	क. पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु	एफआर पूरा हो गया

	एनीकट) लिंक	और पुडुचेरी	है
	ख. वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूरा हो गया है
9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूरा हो गया है
10	क.पारबती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान	एफआर पूरा हो गया है
	ख. संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	ड्राफ्ट पीएफआर पूरा हो गया है
11	दमनगंगा - पिंजल लिंक	महाराष्ट्र	डीपीआर पूरा हो गया है
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूरा हो गया है
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है
14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु और केरल	एफआर पूरा हो गया है
15	बेड़ती - वरदा लिंक @	कर्नाटक	डीपीआर पूरा हो गया है
16	नेत्रावती - हेमावती लिंक @@	कर्नाटक	पीएफआर पूरा हो गया है

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर सहमति लंबित होने के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त पानी को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया और गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना की डीपीआर पूरी की गई।

गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक - इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने हाथ में लिया है।

@ बेड़ती - वरदा लिंक - डीपीआर को इसके पीएफआर की तैयारी के बाद ही तैयार किया गया था, कोई एफआर तैयार नहीं किया गया था।

@@ कर्नाटक सरकार द्वारा येत्तिनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद से आगे कोई अध्ययन नहीं किया गया है, क्योंकि इस लिंक के माध्यम से मोड़ने के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अतिरिक्त जल उपलब्ध नहीं है।

हिमालयन घटक

क्रम सं.	लिंक का नाम	लाभान्वित देश/राज्य	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूरा हुआ
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
3.	गंडक - गंगा लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरा हुआ
4.	घाघरा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
5.	शारदा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	एफआर पूरा हुआ
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूरा हुआ
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूरा हुआ
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	ड्राफ्ट एफआर पूरा हुआ
10.	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार	एफआर पूरा हुआ
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूरा हुआ
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	(प्रस्ताव छोड़ दिया गया है)
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूरा हुआ
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूरा हुआ

डीपीआर - विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

पीएफआर- पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट

एफआर- व्यवहार्यता रिपोर्ट

*****